हार्वेस्ट फेस्टिवल

सन्दर्भ :-

हाल ही में प्रधानमंत्री ने मकर संक्रांति के अवसर पर लोगों को बधाई दी है।

हार्वेस्ट फेस्टिवल के बारे में:

- भारतीय राज्यों में क्षेत्र की मुख्य फसल की उपज के समय हार्वेस्ट फेस्टिवल मनाये जाए हैं।
- नई फसल की पहली उपज का समय किसानों के लिए खुशी का समय होता है। यह उगाए गए भोजन के उत्सव का समय है।
- कृषक अत्यंत हर्ष उल्लास के साथ इन त्योहारों को मनाते हैं।
- वर्ष भर में अलग-अलग समय पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपना फसल उत्सव मनाया जाता है।
- चूंकि भारत विविधताओं से परिपूर्ण एक देश है अतः विभिन्न राज्य बड़ी संख्या में फसल उत्सव मनाते हैं।
- चुकी भारत की बड़ी जनसँख्या कृषि पर निर्भर करती है अतः ये त्यौहार भारत में अत्यंत महत्व रखते हैं।
- इन त्योहारों में लोहड़ी, मकर संक्रांति, बैसाखी, ओणम, पोंगल इत्यादि प्रमुख हैं ।
- हार्वेस्ट उत्सव केवल पकी हुई फसलों का जश्न मनाने के बारे में नहीं है बल्कि सौर मंडल में चल रहे एक महत्वपूर्ण खगोलीय परिवर्तन से भी जुड़ा है।
- इन त्योहारों को शुभ माना जाता है इसलिए उन्हें उत्सव और प्रार्थनाओं के साथ मनाया जाता है।

हार्वेस्ट फेस्टिवल	राज्य
मकर सक्रांति	गुजरात, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, हिमाचल, पश्चिम बंगाल और पंजाब
बैसाखी	पंजाब और हरियाणा
लद्दाख हार्वेस्ट फेस्टिवल	लद्दाख, जांस्कर और कारगिल
लोहड़ी	पंजाब
बोहंग बिहू	असम
वांगला	असम और मेघालय
का पॉम्बलांग नोंगक्रेम	मेघालय
नुआखाई	उड़ीसा
नबन्ना	पश्चिम बंगाल
ओणम	केरल
विशु	केरल और कर्नाटक
गुड़ी पड़वा	महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)

प्रसंग

केंद्र द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु अभियान (NCAP) शुरू किए जाने के चार साल बाद, विश्लेषकों ने पाया कि अभियान की प्रगति धीमी रही है और अधिकांश शहरों में प्रदूषण केवल आंशिक रूप में कम हुआ है।

एनसीएपी

• सरकार ने 10 जनवरी, 2019 को भारत के सबसे प्रदूषित 131 शहरों के लिए वित्तीयन तथा लक्ष्य आधारित सुधार हेतु NCAP की शुरुआत की।

• नॉन अचीविंग शहर

- 131 शहरों को नॉन अचीविंग श्रेणी में रखा गया है क्योंकि वे राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (NAMP) के तहत 2011-15 की अवधि के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) को नहीं पूर्ण कर पाए ।
- मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता के अतिरिक्त अन्य सभी शहर टियर 2 शहर हैं।
- इसमें वायु प्रदूषण से निपटने के लिए राज्यों और केंद्र को एक रूपरेखा प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

• नोडल मंत्रालय- पर्यावरण मंत्रालय।

• लक्ष्य

- देश की वर्तमान, वार्षिक औसत निर्धारित कणीय पदार्थ के दो मुख्य वर्ग (PM2.5 और PM10) की सीमा 40 माइक्रोग्राम/प्रति घन मीटर (ug/m3) और 60 माइक्रोग्राम/प्रति घन मीटर है।
- NCAP ने शुरुआत में 2024 में प्रमुख वायु प्रदूषकों PM10 और PM2.5 को 20-30% तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया, जिसमें सुधार के लिए 2017 में प्रदूषण के स्तर को आधार वर्ष के रूप में लिया गया।
- सितंबर 2022 में, केंद्र ने लक्ष्यों को आगे बढ़ाया और 2026 तक पार्टिकुलेट मैटर सघनता में 40% की कमी का एक नया लक्ष्य निर्धारित किया, ।

• वित्तीयन

- इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शहरों को सरकार द्वारा लगभग ₹6,897.06 करोड़ वितरित किए गए हैं।

कार्यान्वयन

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) कार्यक्रम का समन्वय करता है।
- 0 शहरों को 2020-21 से सुधार की मात्रा निर्धारित करने की आवश्यकता थी, जिसके लिए वार्षिक औसत पीएम10 एकाग्रता में 15% और अधिक कमी और "अच्छी हवा" दिनों में कम से कम 200 तक समवर्ती वृद्धि की आवश्यकता थी।
- लक्ष्य के पूर्ण न होने की स्थिति में पर्यावरण मंत्रालय के माध्यम से केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली धनराशि को कम कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (NAAQS)

- राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा निर्धारित परिवेशी वायु गुणवत्ता के मानक हैं।
- 0 सीपीसीबी को वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 द्वारा यह शक्ति प्रदान की गई है।
- 0 परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों में 12 प्रदूषक SO2, NO2, PM10, PM2.5, ओजोन, सीसा, कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), आर्सेनिक निकेल, बेंजीन, अमोनिया और बेंजोपाइरीन सम्मिलित हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक)

प्रसंग

हाल ही में, काउंटर टेररिज्म एंड ट्रांसनैशनल क्राइम पर बिम्सटेक संयुक्त कार्य समूह की बैठक शुरू हुई है ।

प्रमुख बिंदु

- यह बैठक नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है।
- प्रतिभागी- बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।
- काउंटर टेरर पर कार्य समूह नीति के कुछ प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित है। इनमें "छह उप-समूह शामिल हैं।
  - इंटेलिजेंस शेयरिंग।
  - कानूनी और कानून प्रवर्तन।
  - कट्टरवाद और आतंकवाद का मुकाबला करना।
  - एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और कॉम्बैटिंग
  - आतंकवाद का वित्तपोषण।
  - मानव तस्करी।
  - नारकोटिक ड्रग्स, साइकोट्रोपिक पदार्थ और पूर्ववर्ती रसायन।

बिम्सटेक के बारे में:

- बिम्सटेक एक आर्थिक समूह है जो 6 जून 1997 को बैंकाक घोषणा के माध्यम से अस्तित्व में आया।
- बिम्सटेक सात दक्षिण एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
- यह सम्मिलित रूप से 1.73 अरब जनसँख्या तथा $3.8 ट्रिलियन (2021) जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है ।

सदस्य

- ○ बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड।
- ○ इसके सदस्य बंगाल की खाड़ी के तटीय और आस-पास के क्षेत्रों में स्थित हैं जो एक निकटस्थ क्षेत्रीय एकता का निर्माण करते हैं।
- मुख्यालय - ढाका।
- लक्ष्य

सदस्यों के बीच आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति में तेजी लाने के लिएव्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन और मत्स्य पालन, कृषि, सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, आतंकवाद का मुकाबला, पर्यावरण, संस्कृति, पीपल टू पीपल कॉन्टैक्ट और जलवायु परिवर्तन पर सहयोग।

- बैठकें
- ○ समूह वार्षिक बैठकों का आयोजन सदस्य राज्यों द्वारा वर्णानुक्रम रोटेशन के आधार पर करता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

नीलकुरिंजी	**प्रसंग**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

हाल ही में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ) ने नीलकुरिंजी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची III के तहत संरक्षित पौधों की सूची में शामिल किया है।

प्रमुख बिंदु :

- पौधे को उखाड़ने या नष्ट करने वालों पर ₹25,000 का जुर्माना और तीन साल की कैद होगी।
- नीलकुरिंजी की खेती और उसके कब्जे की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

नीलकुरिंजी:

- वैज्ञानिक नाम- स्ट्रोबिलैंथेस कुंथियाना।
- यह पौधा मंगलादेवी पहाड़ियों से लेकर नीलगिरी पहाड़ियों तक पश्चिमी घाट के एक छोटे से भाग का स्थानीय पौधा है।
- पश्चिमी घाट क्षेत्र में नीलकुरिंजी के पौधों की लगभग 70 किस्में पहचान की गईं हैं ।
- सबसे लोकप्रिय नीलकुरिंजी स्ट्रोबिलैंथस कुंथियाना है जो 12 साल में एक बार खिलता है।
- वितरण- यह एक झाड़ी है जो केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में पश्चिमी घाट के शोला वनों में पाई जाती है।
- आयाम- ऊंचाई वाले स्थानों पर छोटे बदलाव (लगभग 2 फीट) देखे जा सकते हैं और निचले स्थानों पर लंबे बदलाव (लगभग 5 से 10 फीट) देखे जा सकते हैं।
- तमिलनाडु में रहने वाले पलियान आदिवासी इसे अपनी उम्र की गणना के लिए एक संदर्भ के रूप में इस्तेमाल करते थे। यह पौधा सितंबर-अक्टूबर के दौरान फूल देता है।
- कुरिन्जीमाला अभयारण्य केरल के इडुक्की जिले में लगभग 32 किमी2 मूल आवास में कुरिंजी को संरक्षित करता है।
- मुन्नार के निकट एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, कुरिंजी के बड़े पैमाने पर खिलने के लिए जाना जाता है। 2030 तक इसके अगले फूलों के खिलने की सम्भावना है।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए)

सन्दर्भ

हाल ही में, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य उपयोग के लिए निर्देशित मानकों के उल्लंघन में खिलौनों की बिक्री के लिए ई-कॉमर्स संस्थाओं, अमेज़न, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील को

नोटिस जारी किया।

मुख्य विशेषताएं:

- नकली और नकली वस्तुओं की बिक्री को रोकने के लिए सीसीपीए ने केंद्र सरकार द्वारा प्रकाशित गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) का उल्लंघन करने वाले सामान के विरुद्ध देशव्यापी अभियान को विस्तारित किया है।
- इसमें बिजली से चलने वाले वॉटर हीटर, इलेक्ट्रिक आयरन, घरेलू गैस स्टोव, माइक्रोवेव ओवन, सिलाई मशीन आदि जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं शामिल होंगी।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए)

- यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 10(1) के तहत स्थापित एक नियामक प्राधिकरण है।
- सीसीपीए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
- इसकी स्थापना उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने, उनकी रक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए की गई थी।

कार्य

- यह अनुचित व्यापार प्रथाओं का पालन करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं द्वारा या सार्वजनिक हित को प्रभावित करने वाले अनुचित या गलत विज्ञापनों के प्रदर्शन से उपभोक्ताओं के अधिकारों को प्रभावित करने वाले मामलों से संबंधित है।
- यह प्रभावी दिशानिर्देशों के माध्यम से उपभोक्ताओं के अधिकारों को लागू करके उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

संरचना

इसमें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त निम्नलिखित सदस्य होते हैं-

- मुख्य आयुक्त।
- दो आयुक्त (एक आयुक्त वस्तुओं हेतु तथा अन्य सेवाओं हेतु)
- सीसीपीए में एक जांच विंग होगा जिसकी अध्यक्षता एक महानिदेशक करेंगे।
- जिला कलेक्टरों के पास उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और झूठे या भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतों की जांच करने की भी शक्ति होगी।

माघी मेला

प्रसंग

इस वर्ष माघी मेला 14 जनवरी को मनाया गया।

मुख्य विशेषताएं:

- माघी मेला पवित्र शहर श्री मुक्तसर साहिब में हर साल जनवरी में या नानकशाही कैलेंडर के अनुसार माघ के महीने में आयोजित किया जाता है।
- यह सिखों के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है।
- यह सदियों से 1705 में खिदराना की लड़ाई में मुगलों से लड़ते हुए मारे गए 40 सिख योद्धाओं की याद में मनाया जाता है।
- इस युद्ध के बाद ही खिदराना का नाम मुक्तसर या मुक्ति कुंड रखा गया।
- पिछले कुछ वर्षों में, राजनीतिक सम्मेलन इस मेले में मुख्य आकर्षण बन गए हैं। यहां प्रायः राज्य के लिए राजनीतिक स्वर निर्धारित किये जाते हैं।
- हालांकि, 2018 के बाद से, सम्मेलनों की संख्या को कम करने और त्योहार का राजनीतिकरण करने का प्रयास किया गया है।

समाज के लिए वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान (Scientifically Validated Traditional Knowledge to the Society (स्वास्तिक)”

प्रसंग

□ पहली भारतीय वास्तुकला विरासत उप-समिति की बैठक की गई। इसका विषय Scientifically Validated Traditional Knowledge to the Society
(SVASTIK)” था।

मुख्य विशेषताएं:-

- राष्ट्रीय पहल "कम्यूनिकेटिंग इंडियाज साइंटिफिकली वैलिडेटेड ट्रेडिशनल नॉलेज टू द सोसाइटी (स्वास्तिक)" के एक भाग के रूप में, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर ने भारतीय वास्तुकला विरासत उप-समिति की पहली बैठक की मेजबानी की।
- बैठक में भाग लेने वालों ने आवास, जल वितरण प्रणाली और शहरी बस्तियों से संबंधित प्राचीन प्रथाओं के प्रसार के उपायों का प्रस्ताव दिया।
- पैनल के सदस्यों ने भारत के स्थापत्य इतिहास के बारे में बातचीत की एक श्रृंखला की मेजबानी करने का सुझाव दिया। यह भी सुझाव दिया गया था कि इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज वास्तुशिल्प विरासत पर एक विशेष अंक प्रकाशित करने पर विचार कर सकता है।
- समिति ने सिफारिश की कि स्वास्तिक कहानियों को शिक्षकों के साथ साझा

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	किया जाना चाहिए और पारंपरिक ज्ञान का प्रसार करने के लिए कक्षा में उपयोग किया जाना चाहिए। • यह सुझाव दिया गया कि पारंपरिक ज्ञान पर काम कर रहे संस्थानों से संपर्क करें और स्वस्तिक कहानियों को इकट्ठा करने के लिए उनके शोध प्रबंधों और शोध प्रबंधों का उपयोग करें।
डॉपलर मौसम रडार नेटवर्क 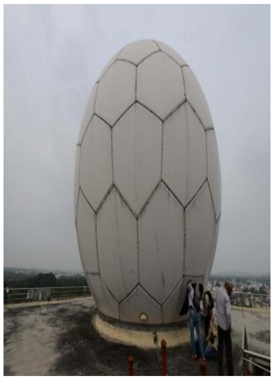	**संदर्भ** आईएमडी के 148वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की कि- पूरा देश डॉपलर वेदर रडार नेटवर्क द्वारा कवर किया जाएगा। **मुख्य विशेषताएं:** • पूरे देश को 2025 तक डॉपलर वेदर रडार नेटवर्क द्वारा कवर किया जाएगा ताकि खराब मौसम की घटनाओं की अधिक सटीक भविष्यवाणी की जा सके। • IMD मौसम और जलवायु रिकॉर्ड रखता है तथा यह इसकी यह निगरानी भी करता है। यह 148 साल पहले 15 जनवरी, 1875 से कार्यरत है। • आईएमडी ने रडार नेटवर्क को 2013 में मात्र 15 से बढ़ाकर 2023 में 37 करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं और अगले 2-3 वर्षों में 25 और जोड़े जाएंगे। • केंद्रीय मंत्री ने जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पश्चिमी हिमालयी राज्यों को 4 डॉपलर वेदर रडार सिस्टम भी समर्पित किए। • आपदाओं को और कम करने के लिए समय पर प्रतिक्रिया कार्रवाई शुरू करने के लिए आईएमडी द्वारा शुरू की गई वेब जीआईएस सेवाओं को खतरे और भेद्यता तत्व के साथ आगे बढ़ाया गया है। • कि नेशनल सेंटर फॉर एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के एक नवीनतम सर्वेक्षण से पता चला है कि चेतावनी और सलाहकार सेवाएं किसानों और मछुआरों को उनकी अर्थव्यवस्था में सुधार करने में मदद कर रही हैं । • उदाहरण के लिए, मानसून मिशन कार्यक्रम में किए गए निवेश के परिणामस्वरूप प्रत्येक एक रुपये के निवेश पर 50 रुपये का रिटर्न मिला है।
भू-स्थानिक हैकथॉन	**प्रसंग** केंद्रीय मंत्री ने भारत के भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और स्टार्ट-

	अप को बढ़ावा देने के लिए "जियोस्पेशियल हैकथॉन" लॉन्च किया। **मुख्य विशेषताएं:** • भू-स्थानिक हैकथॉन की योजना और डिजाइन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय सर्वेक्षण, आईआईआईटी हैदराबाद और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया द्वारा किया गया था। • हैकथॉन भारत के भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और स्टार्ट अप को बढ़ावा देगा। • भारतीय स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था ने एक प्रमुख मील का पत्थर पार कर लिया है क्योंकि इसने 2022 में यूनिकॉर्न क्लब में 100वां भारतीय स्टार्ट-अप जोड़ा है। • भारत भू-स्थानिक क्रांति के शिखर पर है और आर्थिक उत्पादन को बढ़ावा देगा और 2030 तक भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेगा। • "जियोस्पेशियल हैकथॉन" में चुनौतियों के दो सेट होंगे- रिसर्च चैलेंज और स्टार्ट-अप चैलेंज, जिसमें जियोस्पेशियल सेलेक्ट प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स के सर्वश्रेष्ठ समाधान के लिए 4 विजेताओं का पता लगाया जाएगा।
गवर्नमेंट ईमार्केटप्लेस (GeM) पर वुमनिया	**प्रसंग** हाल ही में GeM पर महिला उद्यमियों की सफलता के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया । **मुख्य विशेषताएं:** • यह कार्यक्रम GeM द्वारा स्व-नियोजित महिला संघ, भारत (SEWA Bharat) के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया था। • 2019 में शुरू की गई, "वोमनिया" पहल ने महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की मांग की है। • "वुमनिया" का उद्देश्य समाज के हाशिये पर महिला उद्यमिता का विकास करना है जो सार्वजनिक खरीद बाजारों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करती हैं, और कम सेवा वाले विक्रेता समूहों के लैंगिक समावेशी आर्थिक विकास को प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। • "वुमनिया" महिलाओं के स्वामित्व वाले और नेतृत्व वाले एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद में 3% के लक्ष्य को अलग रखने की सरकार की पहल के साथ संरेखित है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 \| LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 \| RAJENDRA NAGAR: 9205274743 \| UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 \| LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 \| LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 \| GREATER NOIDA: 9205336037, 38 \| KANPUR: 7887003962, 7897003962 \| GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 \| ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	• "वोमनिया" पहल महिला उद्यमियों के सामने आने वाली "बाजारों तक पहुंच", "वित्त तक पहुंच" और "मूल्य-संवर्धन तक पहुंच" की तिहरी चुनौती का समाधान करना चाहती है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare